HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
MONDAY, OCTOBER 07, 2013

Scientists urged to help India match China's yield

LUCKNOW: Union minister of state for agriculture and food processing Tariq Anwar visited the Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) on Sunday and took stock of the research and techniques developed by the institute.

The minister appealed to scientists to carry out quality research to increase agricultural yield to match China's output. He also discussed in detail the seed programme being implemented there.

"In coming, years these varieties will contribute a lot to improving yield and sugar recovery," said the minister who took keen interest in the extension activities being implemented by the institute under its outreach-programme and advised to expand the coverage.

Dr S Solomon, the IISR director, along with Dr JK Jena, director, NBFGR and other scientists, was present during visit. Dr Solomon briefed the minister on the programmes being implemented in joint collaboration with different agencies of India and other countries.

SOLOMON SAID THE INNOVATIVE RESEARCH BY THE IISR ATTRACTED MANY COUNTRIES.

Solomon said the innovative research by the institute attracted many countries of the world. The minister also released two books — Uttar Pradesh Mein Kheti Ki Kisanopayogi Avashyak Jankari and Catalogue of Equipment and Technologies Developed for Processing, Handling and Storage of Jaggery. HTC

the pioneer
LUCKNOW MONDAY | OCTOBER 7, 2013

Minister pays visit to IISR

Tariq Anwar

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

The Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow has made significant contribution during the last 61 years since its establishment in 1952, with its excellent research work in sugarcane. Today, this institute has emerged as a centre of excellence in sugarcane research.

These were the words of Union Minister of State for Agriculture and Food Processing Industries Tariq Anwar who visited IISR on Sunday. The minister made thorough observations on researches and techniques developed by IISR during his elaborate and detailed visit to laboratories and research farm. He also discussed the emerging issues and problems in sugarcane cultivation and sugar industry. He appealed to the scientists to carry out researches of high quality to increase agricultural yield to match with that achieved by China.

The minister was happy to see the performance of IISR's varieties — CoLk 94184, CoLk 09709. He also took note of the efforts made by IISR for making available healthy seed material of these varieties to cane growers. Anwar said that in coming years, the varieties would contribute a lot in improving the yield and sugar recovery. He also discussed "seed-programme" being implemented by the institute in Bihar and appreciated the progress. The extension activities being implemented by the institute under "outreach-programme" was also enquired by the minister.

IISR director Dr Solomon briefed the minister on the national and international programmes being implemented in joint collaboration with different agencies of India and other countries. Dr. Solomon said unparalleled and innovative researches of IISR attracted many countries of the world and several cane growing countries like Sri Lanka, Bangladesh, Vietnam, China, Brazil, Indonesia, Ethiopia, Iraq etc were interested to take technical help of IISR for strengthening sugarcane and sugar industries.

Anwar closely watched the cane production techniques mainly; planting methods (Ring-pit and Trench methods), cane-node and bud-chip method for seed saving and early germination, FIRB technique for simultaneous planting of sugarcane and wheat, skip furrow technique for irrigation water-saving, organic cultivation for soil health improvement and sustained cane yield, three-tier seed programme, sugarcane machines for cost and labour savings (cutter-planter, RMD, Harvester, sett cutter etc), high sugar early maturing varieties, technique of healthy jaggery production and bio-control for pests and disease management in the fields and appreciated the performance.

The minister also addressed the scientists and employees of IISR and released two books — *'Uttar Pradesh Mein Kheti Ki Kisanopayogi Avashyak Jankari'* (by Ashok K Srivastava, Sanjay K Duttmajumdar and Sushil Solomon) and 'Catalogue of Equipment and Technologies Developed for Processing, Handling and Storage of Jaggery (by Jaswant Singh, SI Anwar, RD Singh and Dilip Kumar).

लखनऊ, 7 अक्टूबर 2013 दैनिक जागरण | 11

केंद्रीय मंत्री ने निरीक्षण किया

लखनऊ : केंद्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री तारिक अनवर ने रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का निरीक्षण करते हुए अन्य राज्यों की तुलना में गन्ना उत्पादन का पिछड़ापन दूर करने की सलाह दी। निदेशक सुनील सोलोमन ने संस्थान की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताते हुए चीनी उद्योग में सुधार की संभावनाएं जताई।

2
वॉयस ऑफ
लखनऊ
7 अक्टूबर 2013 राष्ट्रीय दैनिक

2
डेली न्यूज़
एक्टिविस्ट
लखनऊ, सोमवार, 7 अक्टूबर 2013

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का दौरा करते केंद्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री तारिक अनवर

लखनऊ, सोमवार, 7 अक्टूबर, 2013

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

गन्ना की उत्पादन क्षमता बढ़ायें: तारिक

लखनऊ। केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री तारिक अनवर ने कहा कि घरेलु आवश्यकताओं और विदेशों में बढ़ती चीनी की मांग को देखते हुए इसकी उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जाना बेहद जरुरी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर गन्ने की वर्तमान उत्पादकता 71 टन प्रति हेक्टेयर व चीनी परता 10.55 प्रतिशत है। जिसे और बढ़ाया जाये। श्री अनवर रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर) का भ्रमण करने पहुंचे थे। श्री अनवर संस्थान में विकसित उन्नत गन्ना प्रजातियां कोलख 94184 तथा कोलख 09709 तथा निकट भविष्य में किसानों के लिए संस्तुत की जाने वाली अन्य प्रजातियों (कोलख 09202 व अन्य) के प्रदर्शन से काफी खुश दिखे और उम्मीद जतायी की निकट भविष्य में इन प्रजातियों का वृहद स्तर पर खेती से चीनी परता में आशानुरूप सुधार होगा। उन्होंने इन प्रजातियों के स्वस्थ गन्ना बीज को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में किसानों को उपलब्ध कराने पर जोर दिया तथा इस दिशा में संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

श्री अनवर ने संस्थान भ्रमण कार्यक्रम

सेमिनार

आइआइएसआर के वैज्ञानिकों से हुए रुबरु, गन्ना शोध में संस्थान की उपलब्धि सराहनीय

के दौरान संस्थान द्वारा गन्ना शोध में किये जा रहे नवीन कार्यों तथा विकसित तकनीकों पर वैज्ञानिकों से विस्तार पूर्वक चर्चा किया। उन्होंने संस्थान के गन्ना प्रक्षेत्रों और प्रयोगशालाओं में नवीन शोध कार्यों का निरीक्षण करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन तथा वैज्ञानिकों से विभिन्न पहलुओं और ज्वलंत समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने उन्नत व संस्तुत प्रजातियों के बीज उत्पादन तथा किसानों को उपलब्ध कराने के लिए संस्थान द्वारा बिहार में संचालित बीज-कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी प्राप्त किया तथा इस पर हुई प्रगति पर संतोष जताया।

संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने गन्ना शोध में देश के अंदर अन्य संस्थानों की सहभागिता तथा विश्व के अनेक देशों के साथ गन्ना व चीनी उद्योग विकास के लिए संस्थान द्वारा चलाये जा रहे साझा कार्यक्रमों से रूबरू कराया। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए के साह ने बताया कि देश के अंदर गन्ना व चीनी उद्योग को और मजबूत करने के लिए विभिन्न संस्थानों, राज्य सरकारों व स्वतंत्र एजेन्सियों की मदद से ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम चलाने के लिए आवश्यक कदम लिये जा रहे है। *वसं.*

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर) का भ्रमण करते केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री तारिक अनवर और आइआइएसआर के वैज्ञानिक

अमर उजाला लखनऊ | सोमवार | 7 अक्तूबर 2013

आईआईएसआर के काम किसानों तक पहुंचाएं : तारिक

लखनऊ। गन्ना और चीनी उत्पादन में देश की हालत काफी हद तक सुधरी है। गन्ना शोध में उत्कृष्ट कार्य की वजह से भारत चीनी निर्यात करने की स्थिति में है। केंद्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री तारिक अनवर ने रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) के निरीक्षणके दौरान यह बात कही। राज्यमंत्री ने आईआईएसआर में चल रहे गन्ना शोध कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर गन्ने की वर्तमान उत्पादकता 71 टन प्रति हेक्टेयर है। ऐसे में जरूरी है कि चीनी परता 10.55 प्रतिशत को बढ़ाया जाए। उन्होंने आईआईएसआर के कामों को किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने बताया कि राज्यमंत्री ने पुस्तकों 'उत्तर प्रदेश में गन्ना खेती की किसानोपयोगी आवश्यक जानकारी' और 'कैटलॉग ऑफ इक्विपमेंट एंड टेक्नोलॉजीज डवलप्ड फॉर प्रोसेसिंग, हैंडलिंग एंड स्टोरेज ऑफ जैगरी' का विमोचन भी किया। उनके साथ के के शर्मा, तालिब अली, डॉ. जेके जेना भी थे।

राष्ट्रीय सहारा
www.samaylive.com
सच कहने की हिम्मत
राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण
देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ। सोमवार • 7 अक्टूबर • 2013

गन्ना अनुसंधान संस्थान का महत्वपूर्ण योगदान : तारिक

सरोजनीनगर-लखनऊ (एसएनबी)। केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री तारिक अनवर ने कहा कि गन्ना उत्पादन के विभिन्न विषयों पर उन्नत एवं उत्कृष्ट शोध कार्य करते हुए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान गन्ना शोध व विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जिसके चलते गन्ना शोध क्षेत्र में यह संस्थान उत्कृष्ट केन्द्र बनकर उभरा है। संस्थान की इस उपलब्धि में यहां के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों का सतत प्रयास एवं अथक परिश्रम प्रशंसनीय है। श्री अनवर रविवार को संस्थान में किये जा रहे शोध एवं विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान राष्ट्रीय संयोजक पंचायतीराज स्थानीय निकाय के.के. शर्मा व राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के निदेशक डा. जे.के. जेना मौजूद रहे।

कल्पतरु एक्सप्रेस
www.kalptaruexpress.com
लखनऊ, सोमवार, 7 अक्टूबर 2013
5

'आईआईएसआर में विश्वस्तरीय गन्ना शोध'

कल्पतरु समाचार सेवा

- केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री ने किया गन्ना अनुसंधान संस्थान का भ्रमण
- इंडोनेशिया, चीन व ब्राजील जैसे देश संस्थान की सेवा लेने हेतु तत्पर

लखनऊ। केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री तारिक अनवर ने कहा है कि पिछले 61 वर्षों में गन्ना उत्पादन के विभिन्न विषयों पर उन्नत एवं उत्कृष्ट शोध कार्य करते हुए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने गन्ना विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह संस्थान विश्वस्तरीय गन्ना शोध का उत्कृष्ट केन्द्र बनकर उभरा है। इस मुकाम को प्राप्त करने में संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का अथक परिश्रम प्रशंसनीय है।

केन्द्रीय राज्य मंत्री अनवर ने रविवार को संस्थान भ्रमण के दौरान गन्ना शोध में किए जा रहे नवीन कार्यों और विकसित तकनीकों पर वैज्ञानिकों से चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर गन्ने की वर्तमान उत्पादकता 71 टन प्रति हेक्टेयर तथा चीनी परता 10. 55 प्रतिशत को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे आनेवाले समय में घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ चीनी का निर्यात भी किया जा सके। संस्थान द्वारा विकसित उन्नत गन्ना प्रजातियां कोलख-94184, कोलख-09709 तथा निकट भविष्य में किसानों के लिए संस्तुत की जानेवाली अन्य प्रजातियों के प्रदर्शन को देखकर राज्य मंत्री ने वैज्ञानिकों को बधाई दी।

संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने केन्द्रीय राज्य मंत्री को गन्ना शोध में देश के अंदर अन्य संस्थानों की सहभागिता तथा विश्व के अनेक देशों के साथ गन्ना व चीनी उद्योग विकास के लिए संस्थान द्वारा चलाए जा रहे साझा कार्यक्रमों से अवगत कराया। निदेशक ने कहा कि गन्ना शोध में उत्कृष्ट कार्यों के बदौलत यह संस्थान विश्वभर में गन्ना शोध का मुख्य केन्द्र बन गया है। विश्व के कई देश बांग्लादेश, श्रीलंका, इंडोनेशिया, इथोपिया, वियतनाम, इराक, चीन व ब्राजील आदि गन्ना तथा चीनी उद्योग की बेहतरी के लिए संस्थान की सेवा लेने के लिए तत्पर हैं।

इस मौके पर अनवर ने संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तक तथा प्रदेश में गन्ने की खेती पर लिखी गई कुछ पुस्तकों का विमोचन भी किया। इस कार्यक्रम में के.के. शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक पंचायती राज स्थानीय निकाय व डॉ. जे.के. जेना, निदेशक राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।